रणजीत टाइम्स

इंदौर
गुरुवार, 22 जनवरी, 2026
वर्ष 02 | अंक 22 कुल पृष्ठ : 8 | Digital
RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

इंदौर में दूषित पानी से एक और मौत

- 4 बेटियों के पिता ने इलाज के दौरान दम तोड़ा, अब तक 25 लोगों की जान जा चुकी

इंदौर (एजेंसी)। इंदौर में दूषित पानी से एक और मौत हो गई। मौतों का आंकड़ा अब 25 पर पहुंच गया है। भागीरथपुरा के रहने वाले हेमंत गायकवाड़ (51) ने मंगलवार देर रात करीब 3 बजे इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

हेमंत गायकवाड़ उर्फ बाला 22 दिसंबर को दूषित पानी पीने के बाद अचानक बीमार पड़ गए थे। पहले उन्हें परदेशीपुरा स्थित वर्मा नर्सिंग होम में भर्ती किया गया, लेकिन हालत बिगड़ने पर 7 जनवरी को अरविंदो हॉस्पिटल रेफर किया गया, जहां कई दिनों तक चला। लेकिन उनकी जान नहीं बच पाई।

अस्पताल प्रबंधन के मुताबिक, उन्हें सेल कार्सिनोमा नामक कैंसर और किडनी की बीमारी थी। लेकिन उल्टी दस्त के कारण एडमिट किया गया था।

मावठा, कोहरा और तेज ठंड के ट्रिपल अटैक का अलर्ट

एमपी में ग्वालियर समेत 10 जिलों में 23 से बारिश होगी, मंदसौर में तापमान 6 डिग्री

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में 23 और 24 जनवरी को मावठा गिरने यानी, बारिश का अलर्ट है। ऐसा स्ट्रॉन्ग वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) की वजह से होगा। ग्वालियर-रीवा समेत 10 जिलों में असर रहेगा। इस दौरान कोहरा भी छाया रहेगा। बुधवार सुबह भी कई जिलों में हल्के से मध्यम कोहरे का असर देखा जा रहा है।

आज ग्वालियर, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना और रीवा में मध्यम कोहरा रहा। वहीं, भोपाल, इंदौर, उज्जैन समेत कई शहरों में हल्के कोहरे का असर देखने को मिला। मौसम विभाग के अनुसार, रात के तापमान स्थिर रहे। दिन में धूप खिली रहने से ठंड का असर नहीं रहेगा। न्यूनतम और अधिकतम दोनों ही तापमान में बढ़ोतरी होगी।

जनवरी के आखिरी में तेज ठंड रहेगी– मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस गुजरने के बाद ठंड का एक और दौर आएगा। पारे में गिरावट हो सकती है। कोल्ड वेव यानी, शीतलहर चलने का अनुमान भी है।

ठंड के लिए इसलिए खास है जनवरी– मौसम विभाग के अनुसार, जिस तरह मानसून के चार महीने (जून, जुलाई, अगस्त और सितंबर) में से दो महीने जुलाई-अगस्त अहम रहते हैं और इन्हीं में 60 प्रतिशत या इससे अधिक बारिश हो जाती है, ठीक उसी तरह दिसंबर और जनवरी में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इन्हीं दो महीने में प्रदेश में उत्तर भारत से सर्द हवाएं ज्यादा आती हैं, इसलिए टेम्परेचर में अच्छी-खासी गिरावट आती है। सर्द हवाएं भी चलती हैं। पिछले 10 साल के आंकड़े यही ट्रेंड बताते हैं। वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) के एक्टिव होने से जनवरी में मावठा भी गिरता है।

अभी दो सिस्टम एक्टिव– मौसम विभाग के अनुसार, अभी एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस पाकिस्तान के ऊपर है, जो 21 जनवरी की रात में उत्तर-पश्चिम भारत को प्रभावित कर सकता है। इसके असर से ही 23 और 24 जनवरी को मध्यप्रदेश में बारिश होने के आसार है। इसके अलावा एक साइक्लोनिक सकुर्लेशन की एक्टिविटी है। मंगलवार को नर्मदापुरम समेत कई जिलों में बादल रहे। उत्तर भारत के ऊपर 12.6 किमी की ऊंचाई पर करीब 241 किलोमीटर प्रतिघंटा के हिसाब से जेट स्ट्रीम हवाएं बह रही है। इसका असर प्रदेश के कुछ शहरों में देखा जा रहा है।

क्या होता है वेस्टर्न डिस्टरबेंस– मौसम विभाग के अनुसार, वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिम से आने वाली हवा और बादलों का एक सिस्टम होता है। इसके एक्टिव होने से पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी, मैदानी क्षेत्रों में बारिश होगी। सिस्टम आगे गुजर जाने के बाद उत्तर से आने वाली हवा ठंडी रहती है। जिससे दिन-रात ठंड का असर रहता है।

प्रयागराज में एयरफोर्स का प्लेन क्रैश, तालाब में गिरा

शहर के बीचों-बीच हवा में डगमगाया, 2 पायलट को बचाया, माघ मेला से 3 किमी दूर हादसा

प्रयागराज (एजेंसी)। प्रयागराज में एयरफोर्स का ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। एयरक्राफ्ट हवा में उड़ते-उड़ते डगमगाया और तालाब में गिर गया। 2 सीटर एयरक्राफ्ट में सवार दोनों पायलट सुरक्षित हैं।

पीआरओ डिफेंस विंग कमांडर देबार्थो धर ने बताया, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट बमरौली एयरफोर्स स्टेशन से उड़ान भरते समय तकनीकी खराबी का शिकार हो गया।

उन्होंने बताया, दोनों पायलटों ने सुझबूझ दिखाते हुए एयरक्राफ्ट को सुनसान इलाके में उतारा, जिससे आम लोगों की जान-माल को नुकसान नहीं हुआ। हादसे की वजह पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी का आदेश दिया गया है।

हादसा बुधवार दोपहर 12 बजे केपी कॉलेज के पीछे हुआ। यह शहर के बीचों-बीच का इलाका है। तालाब के पास स्कूल और रिहायशी कॉलोनियां हैं। यहां से माघ मेले की दूरी 3 किमी है। हादसे के तुरंत बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया, एयरक्राफ्ट क्रैश होने से पहले दोनों पायलट पैराशूट से कूद गए और तालाब में गिरे। वहां दलदल में फंस गए थे, जिन्हें स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला।

जिस तालाब में विमान गिरा है, वहां चारों तरह जलकुंभी उगी हुई है।

दिल्ली में सुनीता विलियम्स बोलीं-

भारत आना घर वापसी जैसा

- चांद पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स ने मंगलवार को कहा, इस समय दुनिया में अंतरिक्ष को लेकर एक तरह की होड़ (स्पेस रेस) चल रही है। कई देश चांद और अंतरिक्ष में आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं। लक्ष्य सिर्फ पहले पहुंचना नहीं है, बल्कि यह है कि इंसान सुरक्षित, टिकाऊ और लंबे समय तक रहने लायक तरीके से चांद पर जाए।

सुनीता ने यह बात दिल्ली के अमेरिकन सेंटर में 'आंखें सितारों पर, पैर जमीं पर' सेमिनार में कहीं। उन्होंने यह भी कहा कि यह काम सबके फायदे, सहयोग और पारदर्शिता के साथ, लोकतांत्रिक तरीके से किया जाना चाहिए, ताकि किसी एक देश का दबदबा न हो और पूरी मानवता को इसका लाभ मिले। सभी देश सहयोग के साथ आगे बढ़ें, बिल्कुल अंटार्कटिका मॉडल की तर्ज पर।

- विलियम्स ने कहा- भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा

विलियम्स ने कहा कि भारत आना उन्हें घर वापसी जैसा लगता है, क्योंकि उनके पिता गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से थे। वहीं, चांद पर जाने के मीडिया के सवाल पर मजाकिया लहजे में कहा, मैं चंद्रमा पर जाना चाहती हूं, लेकिन मेरे पति मुझे इजाजत नहीं देंगे। घर वापसी और जिम्मेदारी सौंपने का समय आ गया है। अंतरिक्ष खोज में अगली पीढ़ी को अपना स्थान बनाना होगा।

सुनीता बोलीं– स्पेस से धरती देखने पर महसूस होता है कि हम सब एक हैं– 60 साल की विलियम्स हाल ही में नासा से रिटायर हुई हैं। उन्होंने अंतरिक्ष में 608 दिन बिताए हैं। 9 स्पेस वॉक भी किए हैं। अंतरिक्ष में बिताए दिन पर: क्या स्पेस ट्रैवल ने उनकी जिंदगी के नजरिए को बदला है, तो उन्होंने कहा– हां, बिल्कुल।

सोना पहली बार 1.5 लाख पार, 7795 बढ़ा

- 21 दिन में 22 हजार महंगा हुआ; चांदी 10 हजार बढ़कर 3.20 लाख पर पहुंची

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोने की कीमत 21 जनवरी को 1.50 लाख रुपए पार कर गई है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) के अनुसार सोना आज 7,795 रुपए बढ़कर 1,55,204 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला है। कल ये 1,47,409 रुपए पर था। सोना इस साल अब तक 21,744 रुपए महंगा हो चुका है। वहीं 1 किलो चांदी की कीमत आज 10,730 रुपए बढ़कर 3,20,075 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 3,09,345 रुपए पर थी। चांदी इस साल सिर्फ 21 दिनों में ही 90,825 रुपए महंगी हो चुकी है।

पाकिस्तानी रक्षा मंत्री ने फर्जी पिज्जा हट का उद्घाटन किया

कंपनी बोली- हमारा कोई लेना देना नहीं; सोशल मीडिया पर मजाक बना

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ एक अजीब विवाद में फंस गए हैं। उन्होंने सियालकोट कैंटोनमेंट में पिज्जा हट ब्रांड वाले एक आउटलेट का उद्घाटन किया। लेकिन कुछ ही घंटों बाद पिज्जा हट कंपनी ने इस आउटलेट को फर्जी बता दिया।

सोशल मीडिया पर उद्घाटन की तस्वीरें और वीडियो वायरल होने के बाद पिज्जा हट पाकिस्तान ने बयान जारी कर साफ किया कि इस आउटलेट से उसका कोई लेना-देना नहीं है।

वायरल तस्वीरों और वीडियो में ख्वाजा आसिफ सियालकोट कैंटोनमेंट में बने आउटलेट का फीता काटते नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर आसिफ मजाक बना– यह मामला सामने आते ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लोगों ने इसे लेकर मजाक उड़ाना शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा, रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने सियालकोट में एक फर्जी पिज्जा हट फ्रेंचाइजी का उद्घाटन किया।

'वह अभी जगतगुरु भी नहीं हैं', अविमुक्तेश्वरानंद पर रामभद्राचार्य का तीखा प्रहार, सरकारी नोटिस को बताया बिल्कुल सही, धीरेंद्र शास्त्री के बयान का खुलकर किया समर्थन

ग्वालियर। जगतगुरु रामभद्राचार्य महाराज बुधवार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर पहुंचे, जहां उन्होंने धार्मिक और राजनीतिक मुद्दों पर बेबाक अंदाज में अपनी बात रखी। मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को लेकर तीखी टिप्पणी की और उनके साथ हुए व्यवहार को अन्याय बताने के दावे को सिरे से खारिज कर दिया। रामभद्राचार्य महाराज ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती के साथ कोई अन्याय नहीं हुआ है, बल्कि नियमों का उल्लंघन उन्होंने स्वयं किया है। जगतगुरु रामभद्राचार्य ने कहा कि अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती अभी जगतगुरु भी नहीं हैं। उन्होंने धार्मिक परंपराओं और नियमों का हवाला देते हुए कहा कि धर्म स्थलों से जुड़े नियम सभी के लिए समान होते हैं और उनका पालन करना अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि गंगा तक रथ लेकर जाना नियमों के खिलाफ है। जब पुलिस ने उन्हें आगे जाने से रोका था, तो उन्हें वहीं रुक जाना चाहिए था। नियमों की अनदेखी करना और फिर उसे अन्याय कहना उचित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वे स्वयं संगम तक हमेशा पैदल जाते हैं और कभी नियमों को नहीं तोड़ते। रामभद्राचार्य महाराज ने इस पूरे मामले में सरकार की ओर से दिए गए नोटिस को भी पूरी तरह सही ठहराया। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने नियमों के अनुसार कार्रवाई की

है और इसमें किसी प्रकार का पक्षपात नहीं किया गया है। जो भी व्यक्ति नियमों का उल्लंघन करता है, उस पर कार्रवाई होना स्वाभाविक है, चाहे वह किसी भी पद या स्थान पर क्यों न हो। इस दौरान उन्होंने बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के हिंदुओं को चार बच्चे पैदा करने वाले बयान का भी समर्थन किया। रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि हिंदू समाज को अपनी जनसंख्या, संस्कृति और भविष्य को लेकर गंभीरता से सोचना चाहिए। उन्होंने कहा कि धीरेंद्र शास्त्री का बयान समाज को जागरूक करने की भावना से जुड़ा हुआ है और इसे गलत तरीके से नहीं देखा जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के बयान पर भी जगतगुरु रामभद्राचार्य ने तीखी प्रतिक्रिया दी। दिग्विजय सिंह ने कहा था कि हिंदू शब्द फारसी भाषा से आया है और भारत में कोई हिंदू नहीं है। इस पर रामभद्राचार्य महाराज ने कहा कि दिग्विजय सिंह को शास्त्रों का कोई ज्ञान नहीं है। उन्होंने प्राचीन ग्रंथों, तंत्र शास्त्रों और श्लोकों का उल्लेख करते हुए कहा कि उनमें हिंदू शब्द की स्पष्ट परिभाषा दी गई है। उन्होंने कहा कि जिन्हें शास्त्रों का ज्ञान नहीं है, वे इस तरह के बयान देकर केवल अपनी अज्ञानता ही प्रकट करते हैं। रामभद्राचार्य महाराज के इन बयानों के बाद धार्मिक और राजनीतिक गलियारों में चर्चा तेज हो गई है। उनके बयान को लेकर समर्थकों में जहां सहमति दिख रही है, वहीं विरोधी पक्षों में भी प्रतिक्रियाएं सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

बिना वैध वीजा भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं, अफगान नागरिक को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट से बड़ा झटका

भोपाल। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने विदेशी नागरिकों के भारत में अवैध रूप से रहने को लेकर सख्त और स्पष्ट रुख अपनाया है। कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा है कि बिना वैध वीजा या विधिसम्मत अनुमति के किसी भी विदेशी नागरिक को भारत में रहने का कोई अधिकार नहीं है। इसी के साथ हाईकोर्ट ने अफगानिस्तान के नागरिक सैयद राशिद की याचिका को खारिज कर दिया और भोपाल प्रशासन की कार्रवाई को पूरी तरह कानूनसम्मत ठहराया। सैयद राशिद दिसंबर 2019 में छात्र वीजा पर भारत आया था। उसने भोपाल के एक निजी विश्वविद्यालय से पत्रकारिता में स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की। कोरोना महामारी के दौरान सरकार द्वारा दी गई छूट के चलते उसकी वीजा अवधि को वर्ष 2024 तक बढ़ा दिया गया था। लेकिन वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भी वह भारत में ही रुका रहा और इस दौरान भोपाल के एक निजी विश्वविद्यालय में नौकरी भी करने लगा। यह स्थिति सीधे तौर पर विदेशी अधिनियम का उल्लंघन मानी गई। इस मामले में 8 जनवरी 2025 को भोपाल के डिप्टी कमिश्नर द्वारा सैयद राशिद को 'लीव इंडिया' नोटिस जारी किया गया। इसके साथ ही विदेशी अधिनियम 1946 की धारा 14 के तहत उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई गई। सैयद राशिद ने इस कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी और दलील दी कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद उसे संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी से शरणार्थी का दर्जा मिला है, इसलिए उसे भारत में रहने की अनुमति दी जानी चाहिए। हालांकि हाईकोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार नहीं किया। कोर्ट ने कहा कि शरणार्थी दर्जा मिलने के बावजूद भारत में रहने के लिए वैध वीजा या केंद्र सरकार की अनुमति आवश्यक है। वीजा की अवधि समाप्त होने के बाद भारत में रहना कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। सरकारी अधिवक्ता सुमित रघुवंशी ने बताया कि कोर्ट ने प्रशासन की कार्रवाई को सही ठहराते हुए यह संदेश दिया है कि ओवरस्टे करने वाले किसी भी विदेशी नागरिक के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा सकते हैं। यह फैसला सभी विदेशी नागरिकों के लिए एक कड़ी चेतावनी माना जा रहा है।

महाकाल लोक के बाद उज्जैन में 'शनि लोक': 110 करोड़ की लागत से बनेगा भव्य धार्मिक कॉरिडोर, विक्रमादित्य कालीन शनि मंदिर होगा केंद्र

उज्जैन। वर्ष 2022 में महाकाल लोक के लोकार्पण के बाद उज्जैन में श्रद्धालुओं की संख्या में लगभग दोगुनी वृद्धि दर्ज की गई है। सिंहस्थ 2028 को ध्यान में रखते हुए मध्य प्रदेश सरकार उज्जैन को एक नए और विस्तृत धार्मिक पर्यटन मॉडल के रूप में विकसित कर रही है। इसी कड़ी में अब उज्जैन में 'शनि लोक' नाम से एक नया धार्मिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा, जिसकी अनुमानित लागत करीब 110 करोड़ रुपये होगी। शनि लोक की डिटेल्ड प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है। टेंडर प्रक्रिया पूरी होते ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। सरकार का लक्ष्य है कि सिंहस्थ 2028 से पहले यह परियोजना पूरी कर ली जाए।

त्रिवेणी स्थित शनि मंदिर होगा शनि लोक का केंद्र- यह धार्मिक कॉरिडोर उज्जैन-इंदौर रोड पर त्रिवेणी क्षेत्र में शिप्रा नदी के तट पर स्थित प्राचीन शनि मंदिर को केंद्र में रखकर विकसित किया जाएगा। मान्यता है कि इस मंदिर की स्थापना सम्राट विक्रमादित्य ने कराई थी। यह देश का पहला ऐसा शनि मंदिर माना जाता है, जहां भगवान शनि शिव स्वरूप में विराजमान हैं। हर शनिश्चरी अमावस्या पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु शिप्रा नदी में स्नान कर भगवान शनि के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। शनि लोक के निर्माण से श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और क्षेत्र का धार्मिक महत्व और अधिक बढ़ेगा।

महाकाल लोक की तर्ज पर होगा विकास- शनि लोक को महाकाल लोक की तर्ज पर एक भव्य धार्मिक कॉरिडोर के रूप में विकसित किया जाएगा। इसकी घोषणा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 8 नवंबर 2025 को की थी। परियोजना के तहत सौंदर्यीकरण, श्रद्धालुओं के लिए सुव्यवस्थित मार्ग, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था और अन्य मूलभूत सुविधाएं विकसित की जाएंगी।

नवग्रह मंदिर के रूप में प्रसिद्ध शनि मंदिर- शिप्रा तट पर स्थित शनि मंदिर करीब 21,100 वर्गमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है। इसे नवग्रह मंदिर के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यह सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु और केतु-सभी नौ ग्रहों को समर्पित है। यहां साढ़ेसाती और ढैया से मुक्ति के लिए शिव स्वरूप शनि की विशेष पूजा की जाती है। शनि दोष शांति के लिए श्रद्धालु तेल, तिल और लोहे का दान करते हैं। मान्यता के अनुसार, शनिश्चरी अमावस्या पर भक्त पुराने कपड़े और जूते-चप्पल मंदिर परिसर के बाहर छोड़कर जाते हैं।

ग्वालियर में भी प्रस्तावित है शनि लोक- उज्जैन के साथ-साथ ग्वालियर में भी शनि लोक विकसित करने की योजना पर काम चल रहा है। मुरैना सीमा के पास ऐंती पर्वत पर बन रहे शनि लोक में सप्त ऋषियों की प्रतिमाओं के साथ भगवान श्रीराम की विशाल प्रतिमा सहित कुल 18 मूर्तियां स्थापित की जाएंगी। फिलहाल यहां मूर्तियों के निर्माण का कार्य जारी है, हालांकि ग्वालियर के शनि लोक को लेकर अभी तक प्रदेश सरकार की ओर से कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है।

भोपाल में 26 टन प्रतिबंधित गोमांस कांड की परतें खुलेंगी, एसआईटी ने संभाली जांच, स्लॉटरहाउस से पैकेजिंग तक पूरा नेटवर्क रडार पर

भोपाल। नगर निगम द्वारा संचालित जिन्सी स्लॉटरहाउस से जुड़े 26 टन प्रतिबंधित गोमांस के मामले ने अब गंभीर मोड़ ले लिया है। इस हाई-प्रोफाइल प्रकरण की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल यानी एसआईटी ने पूरे मामले की कमान संभाल ली है और अब शुरुआत से लेकर अंत तक हर कड़ी की दोबारा गहन जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस ने इस मामले से जुड़ी केस डायरी अपने कब्जे में ले ली है, वहीं स्लॉटरहाउस में लगे सभी कैमरों के डीवीआर जब्त कर लिए गए हैं। सीसीटीवी फुटेज की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि प्रतिबंधित मांस की खेप कैसे तैयार हुई और किन-किन लोगों की इसमें भूमिका रही। एसआईटी की जांच के दायरे में स्लॉटरहाउस के कर्मचारी, मांस की पैकेजिंग से जुड़े लोग, परिवहन करने वाले और अन्य संदिग्ध शामिल हैं। जरूरत पड़ने पर मुख्य आरोपी असलम कुरैशी उर्फ असलम चमड़ा को रिमांड पर लेकर पूछताछ भी की जा सकती है। जांच में तकनीकी, फॉरेंसिक और दस्तावेजी साक्ष्यों की भी गहन पड़ताल की जा रही है। जांच एजेंसियों को आशंका है कि आगे चलकर इस मामले में और भी बड़े नाम सामने आ सकते हैं और आरोपियों की संख्या बढ़ सकती है। गौरतलब है कि 8 जनवरी को भोपाल नगर निगम ने जिन्सी स्थित बीएमसी स्लॉटरहाउस को सील कर दिया था। यह कार्रवाई 17 दिसंबर को जब्त की गई मांस की खेप की प्रयोगशाला रिपोर्ट आने के बाद की गई, जिसमें प्रतिबंधित गोमांस होने की पुष्टि हुई थी। करीब 26.5 टन मांस को भैंस का मांस बताकर बाहर भेजने की कोशिश की जा रही थी। इस मामले में मुख्य आरोपी असलम कुरैशी और कंटेनर चालक शोएब को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। इसके अलावा नगर निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों पर भी कार्रवाई हुई है, जिसमें एक पशु चिकित्सक सहित 12 से अधिक लोगों को निलंबित किया गया है। पुलिस आयुक्त के निर्देश पर गठित एसआईटी अब इस पूरे रैकेट की जड़ तक पहुंचने के लिए स्लॉटरहाउस की पूरी प्रक्रिया की जांच कर रही है।

मध्य प्रदेश में मौसम का बड़ा बदलाव, पश्चिमी विक्षोभ के असर से 22-23 जनवरी को बारिश और तापमान में गिरावट की संभावना

भोपाल। मध्य प्रदेश में मौसम अब जल्द ही बदलने वाला है और लोगों को आगामी दो दिन में ठंड और बारिश दोनों का सामना करना पड़ सकता है। मौसम विभाग के अनुसार, पाकिस्तान के रास्ते उत्तर भारत में एक मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है, जो सामान्य से कहीं अधिक प्रभावी माना जा रहा है। इसके असर से न केवल उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी की संभावना है, बल्कि मध्य प्रदेश समेत कई राज्यों में भी मौसम बदलने के संकेत हैं। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि इस प्रणाली का असर मध्य प्रदेश में अगले 1 से 2 दिनों में दिखना शुरू होगा। राजस्थान और उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे रीवा, सतना, छतरपुर, टीकमगढ़, ग्वालियर और चंबल संभाग में हल्की बारिश या मावठे की बूंदों की संभावना है। वहीं, उज्जैन, भोपाल, इंदौर और अन्य प्रमुख शहरों में घने बादल छाए रहेंगे। कुछ इलाकों में हल्की बूंदाबांदी या छिटपुट बारिश भी हो सकती है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि 22 और 23 जनवरी के आसपास इस सिस्टम का सबसे अधिक प्रभाव देखने को मिलेगा। इसके चलते प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में तापमान में गिरावट आएगी और ठंड फिर से बढ़ सकती है। आम लोगों को इस दौरान ठंड से बचाव के लिए उचित इंतजाम करने की सलाह दी गई है। किसानों और अन्य गतिविधियों में लगे लोगों को भी मौसम की जानकारी के अनुसार अपनी तैयारी पहले से करनी होगी। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि पश्चिमी विक्षोभ के असर के दौरान मौसम तेजी से बदल सकता है, इसलिए प्रदेशवासियों को बारिश और ठंड के लिए सतर्क रहने की जरूरत है। विशेषज्ञों के अनुसार यह विक्षोभ आगामी दिनों में न केवल बारिश लाएगा बल्कि कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि और हवा की रफ्तार में वृद्धि भी कर सकता है। ऐसे में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में सावधानी बरतना जरूरी होगा।

चिकित्सा विज्ञान का अनुषंगी बन सकता है सहज ध्यान योग

चिकित्सा विज्ञान की अनुषंगी सहज ध्यान योग से हमारा तात्पर्य यह है कि यदि आधुनिक चिकित्सा के साथ ध्यान योग को पूरक चिकित्सा पद्धति के रूप में अपनाया जाय तो यह तनाव कम करने, मानसिक स्वास्थ्य सुधारने, प्रतिरक्षा प्रणाली मजबूत करने और हृदय रोगों व पाचन समस्याओं जैसी स्थितियों में लाभकारी हो सकता है। सहज ध्यान योग से शारीरिक और मानसिक संतुलन स्थापित होता है, और यह निवारक, सहायक और पुनर्वास चिकित्सा का एक प्रभावी साधन सिद्ध होता है।

बीमारियाँ मन से गहराई से जुड़ी होती हैं, क्योंकि तनाव शारीरिक बीमारियों का कारण बनती है और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती हैं। मानसिक स्थितियाँ (जैसे डिप्रेशन, चिंता) शरीर को कमजोर कर सकती हैं, जिससे दर्द, थकान और अन्य शारीरिक लक्षण दिखते हैं। यह एक दोतरफा रिश्ता है जहाँ मन और शरीर एक-दूसरे पर

गहरा असर डालते हैं, जैसे थायरॉयड की समस्या डिप्रेशन का कारण बन सकती है, और तनाव हृदय रोगों को बढ़ा सकता है। सहज योग की तकनीक में आत्मसाक्षात्कार की प्रक्रिया से गुजरते ही सुषुम्ना नाड़ी में सोई हुई कुंडलिनी शक्ति जागृत होकर मध्य नाड़ी यानि सुषुम्ना से ऊपर उठती है और सिर के ऊपर सहस्त्रार चक्र का भेदन करती है, जिससे साधक ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़ जाता है। चक्रों के जागृति से उसके अंदर स्वयं को देखने वाली दृष्टि आ जाती है जिससे वह अपने शारीरिक व मानसिक दोषों को देखकर उसे दूर करने की योग्यता पा लेता है। वैसे मामूली बीमारियों के लिए सिर्फ ध्यान योग ही काफी हो सकता है, लेकिन गंभीर या उन्नत अवस्था के रोगों में यह एकमात्र उपचार के रूप में पर्याप्त नहीं होता और इसे अन्य एलोपैथिक उपचारों के साथ पूरक (supplementary) के रूप में उपयोग किया जा सकता है। सहज ध्यान योग की तकनीक में साधक अपने चारों ओर फैले ईश्वरीय चैतन्य से एकाकारिता पा लेता है और दूसरे व्यक्ति की शारीरिक मानसिक समस्या तक अपने चैतन्य को प्रसारित कर उसकी सहायता करने में समर्थ हो जाता है। यदि चिकित्सक और मरीज दोनों ही सहज योग प्रक्रिया से ध्यान करें तो रोग के सुधार में बेहतरीन रिजल्ट आयेंगे। जिस प्रकार डॉक्टर मरीज को स्टेथोस्कोप से चेक करते हैं वैसे सहज ध्यान से व्यक्ति के किस चक्र में समस्या है, ध्यानावस्था में उसका आभास हाथों की उंगलियों के पोर पर कर लेता है। चिकित्सा विज्ञान (शरीर-केंद्रित) और आध्यात्मिक विज्ञान (मन-आत्मा-केंद्रित) है और एक-दूसरे के पूरक हैं, जहाँ विज्ञान रोगों का इलाज करता है और आध्यात्मिकता मानसिक शांति व संपूर्ण स्वास्थ्य देती है, और दोनों मिलकर व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक कल्याण के लिए एक समग्र दृष्टिकोण प्रदान कर सकते हैं। अतः इसकी सूक्ष्मता को समझते हुये चिकित्सक व सभी मानव मात्र सहज योग से जुड़ें और मानव उत्थान में एक सकारात्मक कदम उठायें। आत्मसाक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नजदीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं। सहज योग सदैव निःशुल्क है।

केबीसी हेल्थ सेंटर, कनाडिया रोड पर निःशुल्क नेत्र परीक्षण चश्मा वितरण व मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया जावेगा

खुशबू श्रीवास्तव

केबीसी हेल्थ सेंटर, मौर्या हिल्स,कनाडिया रोड के संचालन कर्ता ट्रस्ट के प्रमुख ट्रस्टी बालकिशन छावछरिया (बल्लू भैया)नेबताया कि उक्त सेंटर पर २४ जनवरी 2026, शनिवार को "निशुल्क नेत्र परीक्षण,चश्मा वितरण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर" लगाया जा रहा है जिसमें नेत्र परीक्षण के पश्चात ,जरुरी मरीजों कोचशमे निशुल्क दिए जाऐंगे तथा मोतियाबिंद के रोगियों के आपरेशन भी अरविंदो हॉस्पिटल में नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा निशुल्क किए जावेंगे।प्रबनधक एस एन गोयल ने जानकारी दी कि उक्त हेल्थ सेंटर पर नेत्र रोगियों के अलावा भी सामान्य रीग ,दन्त रोग, स्त्रीरोग,बाल रोग, हड्डी रोग,तथा फिजियोथैरेपी के रोगियों का इलाज भी विशेषज्ञ डॉक्टर्स द्वारा किया जावेगा व दवाईयां भी दी जावेगी।साथ ही मरीजों के बी.पी.,शुगर व अन्य पेथालाजिकल जांचे भी निशुल्क की जावेगी।ट्रस्ट सचिव कुलभूषण मित्तल,पवन सिंघानिया एवं सभी ट्रस्टीयो ने जनता से अपील की है कि वह उक्त शिविर में दी जाने निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाओ का लाभ लेवे। शिविर प्रातः ९ से दोपहर 2 बजें तक रहेगा।

गले की हड्डी बना कुमेड़ी आईएसबीटी तो नायता मुंडला को एआईसीटीएसएल भी नहीं चला पाया

इंदौर। एक तरफ जनता को मूलभूत सुविधाएं नहीं मिलती, तो दूसरी तरफ फिजुल के कार्यों पर करोड़ों रुपए सरकारी विभागों द्वारा खर्च किए जाते हैं। नगर निगम जहां सौंदर्यीकरण से लेकर प्रतिमाओं को लगाने सहित कई फैंसी कार्यों पर पैसा खर्च करता है तो इंदौर विकास प्राधिकरण में काबिज रहे राजनीतिक बोर्ड ने राजवाड़ा की प्रतिकृति बनवाने से लेकर शहीद पार्क और यहां तक की जो बस टर्मिनल बनवाए उसका ही संचालन ठीक तरीके से नहीं हो पा रहा है।

नायता मुंडला बस टर्मिनल को अब एआईसीटीएसएल ठेके पर देने को जुटा है, तो खुद प्राधिकरण योग्य ठेकेदार की तलाश में जुटा है। चार बार टेंडर बुलाए, मगर कोई भी एजेंसी संचालन के लिए नहीं मिल सकी। 150 करोड़ रुपए के ये दोनों प्रोजेक्ट हालांकि जनता के लिए लाभदायक साबित होते और बसों का संचालन व्यवस्थित तरीके से हो सकता था। मगर समस्या यह है कि इन बस टर्मिनलों का संचालन कौन करे। प्राधिकरण ने तो इनका निर्माण करवा दिया और करोड़ों रुपए की राशि खर्च भी कर दी। मगर प्राधिकरण तो बस टर्मिनल चला नहीं सकता, इसलिए उसने नायतामूंडला का बस टर्मिनल एआईसीटीएसएल को पिछले साल सौंप दिया था। हालांकि अभी भी बसें यहां से संचालित की जा रही है, मगर एआईसीटीएसएल भी चलाने में असफल रहा, जिसके चलते अब ठेके पर दिए जाने के प्रयास किए जा रहे हैं। 25 साल के लिए ठेके पर देने का टेंडर भी जारी कर दिया है। दूसरी तरफ कुमेडी, एमआर-10 पर जो 110 करोड़ का एयरपोर्ट की तर्ज पर विशाल आईएसबीटी निर्मित किया है वह पिछले 6 माह से संचालन शुरू ना होने के चलते बंद ही पड़ा है। चार मर्तबा प्राधिकरण ठेकेदार की तलाश में टेंडर निकाल चुका है और शर्तों में भी संशोधन कर दिया। अब पांचवीं बार भी टेंडर जारी करने की तैयारी है। दूसरी तरफ प्रदेश सरकार जो सरकारी बस सेवा शुरू करने जा रही है उसके द्वारा भी इन दोनों बस टर्मिनल का इस्तेमाल किया जा सकता है। वैसे भी एआईसीटीएसएल सरकारी कम्पनी के अधीन ही आ गया है और परिवहन विभाग का ही उस पर नियंत्रण रहेगा, जिसके चलते शासन ने एआईसीटीएसएल के निदेशक मंडल का पुनर्गठन भी किया है और प्रबंध संचालक ही बोर्ड के अध्यक्ष रहेंगे। अभी तक एआईसीटीएसएल शहर में सिटी बसों सहित कुछ अन्य रुटों पर भी संचालन करता था, मगर अब पूरे इंदौर संभाग में बसें चलाएगा।

अवैध गैस रिफिलिंग पर खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई

इंदौर जिले में अवैध रूप से गैस सिलेण्डरों के भण्डारण, रिफिलिंग एवं क्रय विक्रय करने वालों के विरूद्ध लगातार कार्रवाई जारी है। इसी सिलसिले में बुधवार को दयालु नगर, खुड़ैल में खाद्य विभाग द्वारा कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में गैस सिलेण्डर जप्त किये गये।

बताया गया कि खाद्य विभाग को दयालु नगर, खुड़ैल स्थित एक रहवासी भवन में वाहनों में एलपीजी गैस अंतरण की सूचना मिली थी। मौके पर भवन मालिक मो. हुसैन उपस्थित मिले। भवन में 14.2 किलोग्राम क्षमता के गैस

सिलेंडर रखे पाए गए, जिसमें एक सिलेंडर में मोटर से लगी नली भी पाई गई। गैस सिलेंडरो का उपयोग चार पहिया वाहनों में गैस भरने में किया जा रहा था। गैस वाहनों में इलेक्ट्रिक मोटर द्वारा गैस अंतरण किये जाने के कारण 14.2 किलो ग्राम क्षमता के 12 भरे और 3 नग खाली, कुल 15 नग गैस सिलेंडर, एक नग इलेक्ट्रिक गैस अंतरण मोटर, एक नग इलेक्ट्रॉनिक तौल काटा जप्त किये गए। मकान मालिक हुसैन के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है।

आस्था और अन्धविश्वास में फर्क समझाया नाटक 'बाल भगवान' ने

झंडा ऊँचा रहे हमारा अभियान के अंतर्गत स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. की प्रस्तुति

इंदौर। झंडा ऊँचा रहे हमारा अभियान के अंतर्गत बुधवार को नाटक बाल भगवान का मंचन किया गया। नाटक समाज में व्याप्त अंधविश्वास, पाखंड और झूठे चमत्कारों पर केन्द्रित था। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. द्वारा अभिनव कला समाज में आयोजित नाटक बाल भगवान की कहानी एक ऐसे मानसिक रूप से विक्षिप्त बालक के इर्द-गिर्द घूमती है जिसे चमत्कारी बताकर बाल भगवान का रूप दे दिया जाता है। कुछ स्वार्थी लोग अपने फायदे के लिए उसकी आस्था का व्यापार करते हैं और भोली-भाली जनता, राजनेता अंधविश्वास में फँस जाते हैं। नाटक के आखिरी दौर में बालक पेट में व्याप्त अल्सर की बीमारी और अंधविश्वास की चपेट में आकर मर जाता है, तब सच्चाई सामने आती है और समाज को यह संदेश मिलता है कि आस्था और अंधविश्वास में फर्क समझना ज़रूरी है। स्वदेश दीपक के लिखे नाटक का निर्देशन अर्जुन नायक ने किया। नटराज थिएटर ग्रुप एंड फिल्म प्रोडक्शन की पेशकस में करीब 25 कलाकारों के सशक्त अभिनय की दर्शकों ने खूब प्रशंसा की। प्रारंभ में संस्था सेवा सुरभि के संयोजक ओम प्रकाश नरेड़ा ने 11 से 30 जनवरी तक आयोजित झंडा ऊँचा रहे हमारा अभियान और उससे जुड़े कार्यक्रमों की जानकारी दी। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने नाटक कलाकारों का स्वागत किया।

वाहनों की चैकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

गोलू यादव

अशोकनगर जिले की तहसील चंदेरी के स्कूलों की चैकिंग की गई। जिसमें चंद्रभान सिंह पब्लिक स्कूल, सेंट्रल एकादमी, सरस्वती शिशु मंदिर, विवेकानंद स्कूल की वाहनों की चेंकिग की गई। जिसमें नियम विरूद्ध संचालन करने पर चालानी कार्यवाही की जाकर समझौता शुल्क के रूप में कुल 82 हजार रूपये की राशि बसूल की गई। जिन वाहनों के दस्तावेज पूर्ण नहीं थे उन्हे पूर्ण करने के लिए निदेर्शित किया गया। इस कार्यालय द्वारा प्रत्येक सप्ताह स्कूल बसों व यात्री बसो की तथा अन्य वाहनो की चैकिंग की जा रही है चैकिंग के दौरान जो वाहन अनफिट या क्षमता से अधिक यात्री मिलते है उनके विरूद्ध नियमानुसार चालानी कार्यवाही की जाती है, कार्यालय द्वारा 01 अप्रैल 2025 से अभी तक कुल 117 वाहनों क विरूद्ध चालानी कार्यवाही से समन शुल्क राशि रु 3,13,500 एवं दो यात्री वाहनों को जप्त कर कर राशि रु 15,02,633 वसूल कर कुल राशि 18,16,133 रूपये की वसूली वाहनों की चैकिंग से की गई ।

करीला में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रति लोगों को किया जा रहा जागरूक

गोलू यादव

कलेक्टर आदित्य सिंह के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत राजेश कुमार जैन के मार्गदर्शन में ग्राम पंचायत जसैया के ग्राम करीला धाम में स्थानीय दुकानदारों एवं श्रद्धालुओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जा रहा है। साथ ही ब्लॉक समन्वयक सतपाल सिंह जाट ने बताया कि स्वच्छता की निरन्तरता हेतु सिंगल यूज प्लास्टिक के पर्यावरणीय दुष्प्रभाव से धार्मिक स्थल को स्वच्छ बनाए रखने हेतु पॉलीथिन के उपयोग को कम करने एवं पॉलीथिन को एकत्रित कर उचित प्रबंधन कार्य किये जा रहे है। ग्राम पंचायत का संयुक्त दल द्वारा कार्ययोजना अनुसार स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूकता किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देशानुसार सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ने अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत श्री हरगिरि जी महाराज का आशीर्वाद लेकर सिंहस्थ संबंधी सुझाव लिए

रणजीत टाइम्स

उज्जैन,। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री आशीष सिंह ,कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक श्री प्रदीप शर्मा ने बुधवार शाम नीलगंगा सिंहस्थ पड़ाव स्थल पहुंचकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के महामंत्री श्रीमहंत श्री हरगिरि जी महाराज का आशीर्वाद लेकर उनसे सिंहस्थ सम्बन्धी सुझाव प्राप्त किए।

इस अवसर पर सिंहस्थ मेला 2028 के सिंहस्थ पड़ाव स्थल नीलगंगा पर लगने वाली छावनियों की व्यवस्था पर चर्चा भी की। सिंहस्थ मेला अधिकारी श्री सिंह ने जानकारी दी कि मुख्यमंत्री डॉ यादव के निर्देशानुसार संपूर्ण मेला क्षेत्र में भूखंड आवंटन की प्रक्रिया से शीघ्र अवगत कराया जाएगा। सिंहस्थ 2028 में आधुनिक तकनीकों की मदद से भूखंड आवंटन के साथ ही संबंधित शिविर की भोजनशाला , ड्रेनेज लाइन, वॉशरूम आदि की जानकारी दी जाना भी प्रस्तावित है। कलेक्टर श्री सिंह ने शासन द्वारा किए जा रहे नवीन आधारभूत संरचना की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ यादव की मंशानुरुप सिंहस्थ 2028 में सिंहस्थ स्नान शिप्रा के जल से होगा इसकी जानकारी भी श्रीमहंत श्री हरगिरि जी महाराज को दी गई।

इंदौर नगर निगम ने झोनल कार्यालयों और मुख्यालय से हटाया 142 टन कबाड़ और खटारा वाहन

ट्रेंचिंग ग्राउंड में पहुंचाया सामान, शुरू हुआ उपयोगी और अनुपयोगी सामग्री का छंटनी अभियान

इंदौर। नगर निगम ने शहरभर के झोनल कार्यालयों और मुख्यालय के परिसरों में जमा पड़े खटारा वाहन, कबाड़ और अनुपयोगी सामग्रियों को हटाने का व्यापक अभियान जारी किया है। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि अब तक कुल 142 टन कबाड़ और पुराने सामान को ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा जा चुका है। इस काम में 150 डंपरों की मदद ली गई है। पिछले कुछ दिनों में निगम के कई वरिष्ठ अधिकारियों ने झोनलों और मुख्यालय के परिसरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण में सामने आया कि कई जगह कार्यालयों में खटारा वाहन, लोहे की पुरानी सामग्री, उद्यानों से निकले पुराने झूले, फिसलपट्टियां और खेल उपकरण जमा थे। इनकी वजह से कार्यालयों और परिसर में गंदगी और अव्यवस्था का अंबार लग गया था। निरीक्षण के बाद अधिकारियों ने आदेश जारी किया कि सभी झोनलों और मुख्यालय के परिसरों में पड़े कबाड़ और अनुपयोगी सामग्री को तुरंत ट्रेंचिंग ग्राउंड भेजा जाए। नगर निगम के अधिकारियों ने बताया कि अभियान पिछले 10 से 15 दिनों से चल रहा है। कई झोनलों पर खटारा वाहन, लोहे की पाइपें और अन्य पुरानी सामग्री अभी भी जमा हैं, जिन्हें क्रमिक रूप से हटाने की कार्रवाई जारी रहेगी। सबसे अधिक समस्या राजकुमार ब्रिज के बाहर जमा अटाले और जब्ती किए गए भंगार के कारण थी। यह भंगार यातायात में रुकावट और रहवासियों के लिए असुविधा पैदा कर रहा था। नगर निगम के अफसरों ने बताया कि ट्रेंचिंग ग्राउंड में भेजे गए सामान की छंटनी की जाएगी। कर्मचारियों की मदद से सामान को उपयोगी और अनुपयोगी में अलग किया जाएगा। उपयोगी सामान को नगर निगम की कलाकृतियों और विकास कार्यों के लिए रखा जाएगा। शेष अनुपयोगी सामान की नीलामी के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, इस भंगार की नीलामी से निगम को करोड़ों रुपए की आय होने की संभावना है। नगर निगम का यह अभियान न केवल शहर के परिसरों को साफ-सुथरा बनाने में मदद करेगा, बल्कि निगम को आर्थिक रूप से भी सशक्त करेगा।

8 साल तक भेजता रहा अश्लील खत, मामा की बेटी की शादी बिगाड़ने की साजिश का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

इंदौर। इंदौर के खजराना थाना पुलिस ने एक ऐसे आरोपी को गिरफ्तार किया है जिसने पिछले आठ वर्षों से एक महिला को मानसिक रूप से प्रताड़ित किया और उसकी शादी को प्रभावित करने की कोशिश की। यह महिला उसका मामा की बेटी थी। आरोपी ने लगातार अश्लील और आपत्तिजनक पत्र महिला के मायके और ससुराल में भेजकर उसकी सामाजिक छवि धूमिल करने की कोशिश की। इस मामले की शिकायत पीड़िता की मां ने खजराना थाने में दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने पत्रों की जांच, लिखावट और पारिवारिक संबंधों की कड़ियों को खंगाला। जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी कोई बाहरी व्यक्ति नहीं बल्कि पीड़िता की बुआ का बेटा था। आरोपी ने बताया कि वह पीड़िता से एकतरफा प्रेम करता था। जब महिला की शादी किसी और से तय हो गई और बाद में शादी भी हो गई, तो आरोपी ने बदले की भावना से उसकी शादी को बर्बाद करने की साजिश रच डाली। आरोपी ने महिला की बदनामी करने के लिए अश्लील भाषा में खत लिखकर उसके परिवार में तनाव पैदा करने की कोशिश की। यह सिलसिला आठ सालों तक चलता रहा, जिससे पीड़िता और उसके परिवार को लगातार मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी। फिलहाल खजराना पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और उसके खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब पूरे मामले की गहन जांच कर रही है ताकि साजिश के अन्य पहलुओं का पता लगाया जा सके।

इंदौर में 150 करोड़ के दो बस टर्मिनल संचालन के लिए नहीं मिल रहे ठेकेदार जनता के लिए सुविधाएं बनी रहीं अधूरी और सरकारी खर्चे पर सवाल

इंदौर। शहर में 150 करोड़ रुपए की लागत से बनाए गए दो बड़े बस टर्मिनल का संचालन अब तक शुरू नहीं हो पाया है। जबकि ये टर्मिनल जनता के लिए सुविधाजनक और व्यवस्थित परिवहन प्रणाली के लिए बनाए गए थे, मगर अभी तक योग्य ठेकेदार नहीं मिल पाए हैं। नायता मूंडला और कुमेर्डी स्थित ये टर्मिनल प्रशासनिक अड़चनों और ठेकेदार न मिलने के कारण आधिकारिक तौर पर चालू नहीं हो सके हैं। नायता मूंडला बस टर्मिनल का संचालन एआईसीटीएसएल को सौंपा गया था। हालांकि वहां बसें कुछ रूटों पर चल रही हैं, मगर संचालन पूरी तरह व्यवस्थित नहीं हो सका। प्राधिकरण ने अब इसे 25 साल के लिए ठेके पर देने के लिए टेंडर जारी किया है, लेकिन योग्य एजेंसी अब तक सामने नहीं आई। दूसरी ओर कुमेर्डी के एमआर-10 पर एयरपोर्ट जैसी सुविधाओं वाला विशाल आईएसबीटी छह महीने से संचालन शुरू नहीं कर सका। प्राधिकरण ने इसके लिए चार बार टेंडर निकाले, शर्तों में संशोधन किया और अब पांचवीं बार भी टेंडर जारी करने की तैयारी कर रहा है। नगर विकास और परिवहन विभाग की मिली-जुली जिम्मेदारी के बावजूद शहरवासियों को मूलभूत सुविधाओं के लिए इंतजार करना पड़ रहा है। जबकि नगर निगम और इंदौर विकास प्राधिकरण ने प्रतिमाओं, शहीद पार्क और बस टर्मिनल जैसी बड़ी परियोजनाओं पर करोड़ों रुपए खर्च किए, परंतु इन प्रोजेक्टों का उपयोग अभी तक जनता के लिए पूरी तरह लाभकारी नहीं हो सका। सरकारी अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश सरकार की नई बस सेवा इन टर्मिनलों का उपयोग कर सकती है। इसके अलावा एआईसीटीएसएल अब सरकारी कम्पनी के अधीन आने के बाद पूरे इंदौर संभाग में बस संचालन करेगा। प्रबंध संचालक ही बोर्ड के अध्यक्ष रहेंगे और परिवहन विभाग पर इसका नियंत्रण रहेगा। इससे उम्मीद है कि आने वाले समय में बस संचालन पूरी तरह शुरू होगा और शहरवासियों को व्यवस्थित सार्वजनिक परिवहन का लाभ मिलेगा।

कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस में मुख्य बिंदुओं की समीक्षा

इंदौर।मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कलेक्टर्स से कहा है कि वे जिलों में सरकार के प्रतिनिधि है और शासन की प्रत्येक योजना और कार्यक्रम के क्रियान्वयन में सभी विभागों के अमले के साथ लीडर की भूमिका निभाकर सर्वश्रेष्ठ परिणाम दें। उन्होंने ग्रामीण विकास के लिए जिला पंचायत और नगरीय क्षेत्र के विकास योजनाओं के लिए स्थानीय प्रशासन के साथ उत्कृष्ट समन्वय बनाकर कार्य करने की जरूरत बताई।

मुख्य सचिव ने कहा कि टीम के रूप में काम करने में ही परिणाम आयेंगे और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के लिए सेक्टर बनाकर माह में कम से कम दो बैठक कर लंबित योजनाओं और कार्यक्रम के क्रियान्वयन में शतप्रतिशत उपलब्धि सुनिचिश्त करें। मुख्य सचिव श्री जैन ने बुधवार को मंत्रालय में कलेक्टर-कमिश्नर कांफ्रेंस के पालन प्रतिवेदन पर वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक में समीक्षा की। कलेक्टर कमिश्नर और पुलिस अधीक्षक सहित अन्य अधिकारी वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से सम्मिलित हुए। बैठक में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा वर्ष 2026 को कृषि वर्ष के रूप में मनाये जाने के दृष्टिगत संबंधित विभागों को आगामी एक वर्ष की कार्य योजना प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गए है। इस बैठक में संभागायुक्त कार्यालय इंदौर से संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, संयुक्त आयुक्त (विकास) श्री डी.एस. रणदा सहित अन्य संबंधित अधिकारी तथा कलेक्टर कार्यालय इंदौर से कलेक्टर श्री शिवम वर्मा, नगर निगम आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल, पुलिस अधीक्षक ग्रामीण सुश्री यांगचेन डोलकर भूटिया शामिल हुए।

मुख्य सचिव श्री जैन ने सुशासन को मध्यप्रदेश शासन का मूल्य मंत्र बताया उन्होंने कहा कि नामांतरण, बटवारा और सीमांकन जैसे प्रकरणों में सौ-सौ दिन की पेंडेंसी असंतोषजनक है। उन्होंने सम्पूर्ण राजस्व प्रक्रिया ऑनलाइन होने के बावजूद इस तरह की कार्यप्रणाली को समन्वय के साथ दुरूस्त करने को कहा है। नामांतरण में मुरैना-भिंड, बटवारा के प्रकरणों में अनूपपूर और रीवा, भूमि के सीमांकन प्रकरणों में विदिशा और सतना, खसरा अपडेट में रीवा और इंदौर तथा अवैध कब्जा हटाने के मामले में भिंड और विदिशा जिलों की स्थिति अपेक्षाकृत असंतोषजनक पायी गयी है। राजस्व संग्रहण में कम वसूली को भी मुख्य सचिव ने गम्भीरता से लिया और निर्देश दिए कि टेक्नोलॉजी का लाभ लेकर राजस्व संग्रहण बढाये।

उन्होंने राजस्व प्रकरणो में बटांकन के बाद रिकार्ड दुरूस्त होने के पश्चात ही प्रकरण को निराकृत मानने को कहा है। बैठक में समग्र पोर्टल में केवाईसी को इस वर्ष के अन्त तक शत-प्रतिशत करने के निर्देश दिये है। मुख्य सचिव श्री जैन ने एमपीई सेवा पोर्टल को प्रदेश के नागरिकों के लिए सेवाओं और सुविधा की दृष्टि से रिफार्म बताते हुए कलेक्टर्स और अन्य विभागों से कहा कि मार्च अंत तक सभी 1700 सेवाएं जुड़ जाए जिससे नागरिक इस पोर्टल के माध्यम से सेवाएं प्राप्त कर सकें। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन और लोक सेवा गांरटी अधिनियम के प्रकरणों की समीक्षा की। बैठक मे बताया गया कि लोक सेवा गारंटी के तहत प्राप्त 1 करोड़ 9 लाख आवेदनों में से 1 करोड़ का निराकरण किया गया है इस मामले में निवाड़ी और बड़वानी टॉप पर जबकि मऊगंज और शिवपुरी निचले पायदान पर हैं। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि कलेक्टर संवेदनशीलता बरतें और समयअवधि बैठक में हर सप्ताह समीक्षा करें। उन्होंने निवास और आय प्रमाण पत्र, सीमांकन, अविवादित नामांतरण और जन्म के एक वर्ष पश्चात पंजीयन जैसी सेवाएं समय अवधि में निराकृत करने के निर्देश दिये। वर्तमान में 735 सेवाएं लोक सेवा गारंटी अधिनियम में अधिसूचित हैं जिनमें से 602 ऑनलाइन है शेष 133 सेवाओं को भी ऑनलाइन करने के निर्देश दिए है।

रिश्तों में दूरी क्यों जरूरी है?

प्यार का अर्थ अक्सर गलत समझ लिया जाता है। हम मान लेते हैं कि जितना ज्यादा हम साथ रहते हैं, उतना ही गहरा रिश्ता होता है। हर पल साथ रहना, हर बात शेयर करना और हर सांस में साथी की मौजूदगी, इसे ही लोग सच्चा प्यार समझ बैठते हैं। लेकिन सच्चाई थोड़ी अलग होती है। प्यार का मतलब हर वक्त साथ रहना नहीं होता। रिश्ते भी सांस लेते हैं और सांस लेने के लिए स्पेस चाहिए। जहां स्पेस खत्म होता है, वहीं घुटन शुरू होती है।

आज के रिश्तों में सबसे बड़ी गलती यही हो रही है कि लोग अपने पार्टनर संग इतनी ज्यादा करीबी चाहते है कि खुद को खो बैठते हैं। मोबाइल, चैट, कॉल और हर पल की अपडेट, इनसब के कारण प्यार अब साथ रहने से ज्यादा नजर रखने का नाम बनता जा रहा है। इसका नतीजा है, रिश्ते में घुटन, शक और चिड़चिड़ापन बढ़ना।

थोड़ी दूरी प्यार को कमजोर नहीं करती, बल्कि उसे मजबूत बनाती है। जीवन में संतुलन के लिए कुछ समय खुद के लिए, कुछ समय दोस्तों के लिए और कुछ समय रिश्ते के लिए देना चाहिए। रिश्ते में दूरी के कई फायदे हैं। दूरी से भावनाओं को समझने का मौका मिलता है, संवाद बेहतर होता है और साथ बिताया गया समय बोझ नहीं लगता है। आइए जानते हैं कि मजबूत रिश्ते के लिए दूरी क्यों जरूरी है और बहुत ज्यादा करीबी का रिश्ते पर क्या असर पड़ता है?

अपनी पहचान खोने लगती है

जब हर समय पार्टनर के साथ रहने की आदत बन जाती है, तो व्यक्ति अपनी रुचियां, दोस्त और स्पेस खो देता है।

एक ही रिश्ते में सिमटकर रह जाने से व्यक्ति के भीतर खालीपन और चिड़चिड़ापन पैदा होता है।

लगातार साथ रहने से रोमांच खत्म होने लगता है।

जो चीज हमेशा उपलब्ध हो, उसकी कद्र धीरे-धीरे कम हो जाती है।

प्यार में रोमांस कम आदत ज्यादा शामिल हो जाती है।

इस तरह के रिश्ते भावनाओं पर नहीं, जरूरतों पर निर्भर हो जाते हैं।

शक और कंट्रोल बढ़ता है

हर वक्त साथ रहने की चाह अक्सर कंट्रोल में बदल जाती है।

कुछ देर की दूरी कई सवाल खड़े कर देती है, जैसे- कहां हो, किससे हो, क्यों जवाब नहीं दिया।

यहीं से रिश्ते जहरीले होने लगते हैं।

जब दो लोग हर समय एक-दूसरे के स्पेस में होते हैं, तो छोटी-छोटी बातें भी बड़ी लगने लगती हैं।

दूरी इन टकरावों को शांत करती है।

हमेशा साथ रहने पर मनमुटाव ज्यादा होने की संभावना रहती है।

बिना तेल के पापड़ सेंकने का सही तरीका सीख लें

एकदम कुरकुरे और टेस्टी बनकर तैयार होंगे!

यूं तो बिना तेल के पापड़ सेंकने के भी कुछ तरीके हैं, जिनमें नमक या रेत का इस्तेमाल किया जाता है। ये तरीके ठीक हैं लेकिन बहुत झंझट भरे हैं। चलिए जान लेते हैं कुछ सिंपल तरीके जिनकी मदद से आप ऑयल फ्री क्रंची पापड़ फटाफट बना पाएंगी-

खाने के साथ या चाय के साथ पापड़ मिल जाए तो मजा आ जाता है। ये क्रंची स्नैक खाने में बेहद टेस्टी लगता है। हालांकि पापड़ के साथ एक समस्या है कि इन्हें तेल में फ्राई किया जाता है। इस वजह से पापड़ में बहुत ऑयल होता है और कई लोग इन्हें खाना अवॉइड करते हैं। यूं तो बिना तेल के पापड़ सेंकने के भी कुछ तरीके हैं, जिनमें नमक या रेत का इस्तेमाल किया जाता है। ये ट्रेडिशनल तरीके ठीक हैं लेकिन बहुत झंझट भरे हैं। ऐसे में लोग इन्हें ज्यादा ट्राई करने से बचते हैं। तो फिर बिना तेल के पापड़ बनाने के लिए क्या किया जाए? चलिए जान लेते हैं कुछ सिंपल से तरीके जिनकी मदद से आप ऑयल फ्री क्रंची पापड़ फटाफट बना पाएंगी, बिना ज्यादा झंझट के।

तवे पर सेंक लें पापड़

पापड़ को बिना तेल सेंकने का ये सबसे सिंपल और बेस्ट तरीका है। इसके लिए बस तवे को गर्म होने दें। इसके बाद गैस की फ्लेम को एकदम धीमा कर दें। फिर इसपर पापड़ सेंकने के लिए रखें और दोनों तरफ से अच्छी तरह रोस्ट कर लें। बिना तेल के ये बढ़िया रोस्ट हो जाता है। आप चाहें तो तवे पर हल्का सा ऑयल डालकर पापड़ सेंक सकती है। इससे पापड़ एकदम क्रंची बनता है और टेस्ट भी एकदम फ्राइड पापड़ जैसा आता है।

गैस की फ्लेम पर डायरेक्ट सेंक लें

गैस की फ्लेम पर भी आप डायरेक्ट पापड़ सेंक सकती हैं। इसके लिए फ्लेम को धीमा रखें, फिर पापड़ को चिमटे की मदद से इसपर रखें। इस प्रॉसेस में पापड़ के जलने का खतरा ज्यादा होता है, इसलिए तेजी से पापड़ को रोस्ट करें। रोटी की तरह आप इसे आराम से सेंक सकती हैं, बहुत ही क्रिस्पी बनकर तैयार होता है। सर्व करने से पहले चाहें तो हल्का तेल लगा सकती हैं।

माइक्रोवेव में बनेगा ऑयल फ्री पापड़

आप माइक्रोवेव में ऑयल फ्री पापड़ बना सकती हैं। इसके लिए पहले पापड़ को एक तरफ से सेंकने के लिए माइक्रोवेव में रख दें। लगभग 20 सेकेंड में ये एक तरह से रोस्ट हो जाएगा। अब दूसरी साइड से 20 सेकेंड के लिए सेंकने रख दें। लगभग 40 सेकेंड में बहुत ही क्रिस्पी और टेस्टी पापड़ बनकर तैयार हो जाएगा। इसके लिए आपको एक बूंद तेल की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

स्टील स्ट्रेनर में सेंक लें पापड़

फटाफट बिना तेल के पापड़ सेंकने हैं, तो स्टील स्ट्रेनर यानी बड़ी वाली स्टील की छलनी का इस्तेमाल करें। ये तरीका इसलिए भी बेस्ट है क्योंकि इसमें पापड़ जलते नहीं है और बहुत ही क्रिस्पी बनकर तैयार होते हैं। बस स्टील स्ट्रेनर में पापड़ रखें और गैस की फ्लेम पर इधर-उधर हिलाते हुए पापड़ को दोनों तरफ से सेंक लें। इस दौरान गैस की फ्लेम बिल्कुल लो रखें। इस तरीके से पापड़ बहुत ही जल्दी सेंक लेंगी और ये बहुत ही कुरकुरे बनेंगे।

यूरोप में शुरू हो रही नई टी-20 लीग

ईटीपीएलः अभिषेक बच्चन और स्टीव वॉ जैसे बड़े नाम जुड़े

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोप में क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक ले जाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (ईटीपीएल) का ऐलान किया गया है। 6 टीमों के बीच खेली जाने वाली इस लीग में ऑनर के तौर पर क्रिकेट और मनोरंजन जगत की हस्तियां जुड़ी हुई हैं। प्रमुख नामों में ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान स्टीव वॉ और बॉलीवुड अभिनेता अभिषेक बच्चन हैं। न्यूजीलैंड के पूर्व खिलाड़ी काइल मिल्स और नाथन मैकुलम भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं, और ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल भी एक फ्रेंचाइजी के मालिक हैं। स्टीव स्मिथ और मिचेल मार्श जैसे खिलाड़ी लीग में खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बुधवार को आधिकारिक तौर पर यह पुष्टि की गई कि स्टीव वॉ और ग्लेन मैक्सवेल ईटीपीएल की फ्रेंचाइजी ओनरशिप का हिस्सा होंगे। यह लीग आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स में खेली जाएगी। इसका उद्देश्य यूरोप में क्रिकेट के स्तर को ऊपर उठाना है। लीग पिछली गर्मियों में लॉन्च होनी थी, लेकिन अब इसे 2026 में शुरू करने की तैयारी है। लीग की तीन फ्रेंचाइजियों में एम्स्टर्डम, बेलफास्ट और एडिनबर्ग हैं। अन्य तीन टीमें अभी बिकनी बाकी हैं। भविष्य में बिकने वाली टीमों के बेस डबलिन, रॉटरडैम और ग्लासगो में होंगे। लीग का पहला सीजन 26 अगस्त से 20 सितंबर के बीच खेला जाना है। यह आईसीसी से मान्यता प्राप्त पहली ऐसी टी20 लीग होगी, जो एक से ज्यादा देशों में आयोजित की जाएगी। मौजूदा शेड्यूल के मुताबिक, यह इंग्लैंड की द हंड्रेड लीग के फाइनल के करीब 10 दिन बाद शुरू होगी, हालांकि इसके कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) से टकराने की संभावना बनी हुई है। स्टीव वॉ एम्स्टर्डम फ्लेम्स फ्रेंचाइजी के मालिक निवेशक समूह का हिस्सा हैं। इस समूह में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व

फील्ड हॉकी महान खिलाड़ी जेमी ड्वायर भी शामिल हैं। वहीं, ग्लेन मैक्सवेल आयरिश वुल्फ्स फ्रेंचाइजी के को-ओनर हैं और उनके साथ ऑस्ट्रेलिया की इंश्योरेंस कंपनी एनआरएमए के पूर्व ग्रुप सीईओ रोहन लुंड जुड़े हुए हैं। नाथन मैकुलम और काइल मिल्स ने एडिनबर्ग फ्रेंचाइजी खरीदी है। ईटीपीएल, क्रिकेट आयरलैंड और भारत की रूल्स ग्लोबल का एक संयुक्त उद्यम है, जबकि क्रिकेट स्कॉटलैंड और नीदरलैंड क्रिकेट बोर्ड इसके रणनीतिक साझेदार हैं। अभिषेक बच्चन इस लीग के को-फाउंडर हैं, और उनके साथ तीन अन्य भारतीय निवेशक भी जुड़े हैं, जिनमें आईपीएल फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स के पूर्व सीईओ धीरज मल्होत्रा का नाम भी शामिल है। स्टीव वॉ ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि स्टीवन स्मिथ और मिचेल मार्श ने एम्स्टर्डम फ्लेम्स के साथ करार किया है। नीदरलैंड्स के कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स भी इसी फ्रेंचाइजी का हिस्सा होंगे। टिम डेविड के साथ भी बातचीत चल रही है। वॉ का मानना है कि यह लीग यूरोपियन और कॉन्टिनेंटल खिलाड़ियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है। दुनिया के बेहतरीन क्रिकेटरों के साथ चार-पांच हफ्ते खेलने का मौका स्थानीय खिलाड़ियों की प्रगति को तेज करेगा। इंडियन सुपर लीग, प्रो कबड्डी लीग और इंडियन स्ट्रीट प्रीमियर लीग के माध्यम से स्पोर्ट्स से लंबे समय से जुड़े अभिषेक बच्चन की विदेशी स्पोर्ट्स फ्रेंचाइजी में यह पहली बड़ी भागीदारी है। लीग के को-फाउंडर अभिषेक बच्चन ने ईएसपीएनक्रिकइंफो को बताया कि ईटीपीएल जल्द ही एक भारतीय ब्रॉडकास्टर के साथ करार करने वाली है। पहले सीजन के मुकाबले आयरलैंड और नीदरलैंड्स में खेले जाएंगे, जबकि फाइनल वेन्यू अभी तय किए जा रहे हैं। इस लीग का मकसद सिर्फ क्रिकेट कराना नहीं, बल्कि यूरोप में क्रिकेट इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना और फैंस को एक यादगार टी20 अनुभव देना है।

रियल मैड्रिड की बड़ी जीत

स्पोर्टिंग ने पीएसजी को चौंकाया

मैड्रिड, एजेंसी। काइलियन एम्बाप्पे के शानदार प्रदर्शन की बदौलत रियल मैड्रिड ने यूईएफए चैंपियंस लीग के लीग फेज मुकाबले में मोनाको को 6-1 से करारी शिकस्त दी। इस बड़ी जीत के साथ ही रियल मैड्रिड ने टॉप-आठ में जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को और मजबूत कर लिया है। अपने पुराने क्लब मोनाको के खिलाफ खेलते हुए एम्बाप्पे ने दो गोल दागे और अपनी टीम की जीत में बड़ी भूमिका निभाई। एम्बाप्पे ने फेडे वाल्वरडे की थ्रू बॉल पर पांचवें मिनट में ही पहला गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। इसके बाद 25वें मिनट के आसपास फार पोस्ट पर शानदार स्लाइड करते हुए उन्होंने दूसरा गोल दागा और हाफटाइम तक स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे हाफ में रियल मैड्रिड का दबदबा और बढ़ गया। 51वें मिनट में फ्रंको मास्टैंटुओनो ने तीसरा गोल किया, जबकि थिलो केहरर से आत्मघाती गोल हो गया। विनीसियस जूनियर ने पांचवां और जूड बेलिंगहैम ने छठा गोल किया। मोनाको की ओर से एकमात्र गोल जॉर्डन टेजे ने किया। दूसरी ओर, पुर्तगाल में खेले गए मुकाबले में स्पोर्टिंग क्लब डी पुर्तगाल ने पेरिस सेंट जर्मेन को 2-1 से हराकर बड़ा उलटफेर किया। लुइस सुआरेज ने 74वें और 90वें मिनट में गोल कर स्पोर्टिंग को अहम जीत दिलाई, जिससे टीम स्टैंडिंग में छठे स्थान पर पहुंच गई। पीएसजी का दबदबा पूरे मैच में रहा, लेकिन उसके दो गोल रद्द कर दिए गए। सब्स्टीट्यूट ख्विचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार कर्लिंग शॉट से बराबरी जरूर की, लेकिन आखिरी क्षणों में सुआरेज ने हेडर से निर्णायक गोल कर दिया। अन्य मुकाबलों में, एजेक्स ने आखिरी मिनट में ओलिवर एडवर्डसन के गोल की मदद से विलारियल को हराया। वहीं, ओलंपियाकोस ने पिरियस में बायर लेवरकुसेन को 2-0 से मात देकर जर्मन टीम के खिलाफ 14 मैचों में पहली जीत दर्ज की। कोस्टिन्हा और मेहदी तारेमी के तेज काउंटरअटैक ने ओलंपियाकोस की जीत की नींव रखी, जबकि गोलकीपर कोस्टास जोलाकिस ने शानदार बचाव कर टीम की बढ़त बनाए रखी।

213 रन ठोकने वाली दिल्ली कैपिटल्स की तूफानी बल्लेबाज पर जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली कैपिटल्स की स्टार बल्लेबाज लिजेल ली पर जुर्माना लगाया गया है। इतना ही नहीं डब्ल्यूपीएल 2026 में अब तक 213 रन ठोक चुकी इस खिलाड़ी के खाते में जुर्माने के साथ एक डिमेरिट अंक भी जोड़े गए हैं. लेकिन, बड़ा सवाल ये है कि लिजेल ली से गलती क्या हुई? कब हुई? ये पूरा मामला डब्ल्यूपीएल 2026 में 20 जनवरी को दिल्ली कैपिटल्स और मुंबई इंडियंस के बीच खेले मुकाबले से जुड़ा है।

लिजेल ली ने मानी गलती, 10% जुर्माने के साथ मिली ये सजा- लिजेल ली को जब आउट दिया गया वो डब्ल्यूपीएल 2026 में अपने एक और अर्धशतक के करीब थीं। वो 28 गेंदों में 46 रन बनाकर पूरे विस्फोटक मिजाज में

खेल रही थीं। ऐसे में जब उन्हें थर्ड अंपायर ने आउट दिया तो उन्होंने उस फैसले पर थोड़ी नाराजगी जाहिर की, जिसके क्रिकेट की रूल बुक की आचार संहिता के तहत गलत पाया गया।

लाइव मैच में कब घटी घटना?

वडोदरा के बीसीए स्टेडियम में खेले मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स की इनिंग के 11वें ओवर में बल्लेबाजी कर रहीं लिजेल ली को आउट दे दिया गया। वो मुंबई इंडियंस की गेंदबाज अमनजोत कौर की गेंद पर स्टंप हुई थीं। मामला थोड़ा नजदीकी था तो उन्हें आउट देने से पहले थर्ड अंपायर ने कैमरों के कई एंगल जांचे।

दिल्लीवालों को बसों का नहीं करना पड़ेगा इंतजार

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली में बसों के लिए यात्रियों को लंबा इंतजार नहीं करना पड़ेगा। इसके लिए दिल्ली सरकार ने रूट प्रबंधन लागू करने की शुरुआत की है। पश्चिमी जोन में यह बुधवार से लागू कर दिया जाएगा। परिवहन मंत्री का कहना है कि दिल्ली में चरणबद्ध तरीके से 15 साल पुरानी बसों की फ्लीट को हटा दिए जाने के बावजूद कोई बस रूट बंद नहीं किया जाएगा।

दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने बताया कि यह पहल ट्रांसपोर्ट यमुना रीजन (ईस्ट) में सफल होने के बाद अब पश्चिम जोन में लागू की जा रही है। इसके बाद अगला चरण बहुत जल्द उत्तरी जोन में शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पश्चिमी जोन में बसों का संचालन सुगम बनाए रखने, बसों के फ्लीट का बेहतर इस्तेमाल करने और यात्रियों के प्रतीक्षा समय को कम करने के लिए बस सेवाओं का पुनर्निर्धारण किया गया है। परिवहन मंत्री का कहना है कि इसमें यह भी सुनिश्चित किया गया है 12 मीटर वाला कोई भी रूट बंद न हो, बल्कि बस रूट को डिमांड, यात्रियों के राइडरशिप पैटर्न और कॉरिडोर की अहमियत के आधार पर वैज्ञानिक तरीके से व्यवस्थित किया गया है। व्यस्ततम समय में राजधानी में बस यात्रियों को बेहतर और सुगम सेवा प्रदान करने के लिए अतिरिक्त बसें भी तैनात की गई हैं। इस पहल से पश्चिमी जोन के सभी 181 रूट पर सेवाएं बेहतर होंगी। इस रूट पुनर्निर्धारण में नौ मीटर वाली देवी इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती भी की गई है, जिससे कि लोगों को सुविधा हो। गौरतलब है कि पुरानी डीटीसी बसों को चरणबद्ध तरीके से सरकार सड़कों से हटा रही है। इसके बदले में इलेक्ट्रिक बसें सड़कों पर उतारी जा रही है। सरकार का लक्ष्य है कि इस वर्ष नवंबर तक डीटीसी के बेड़े में बसों की संख्या सात हजार तक पहुंचाई जाए, जिससे कि आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। परिवहन मंत्री का कहना है कि दिल्ली में भाजपा सरकार बनने के बाद से पब्लिक ट्रांसपोर्ट के बेड़े में अब तक 3600 से ज़्यादा इलेक्ट्रिक बसों को शामिल किया जा चुका है। दिल्ली सरकार का लक्ष्य मार्च 2026 तक इलेक्ट्रिक बसों की संख्या बढ़ाकर 5000 से ज्यादा करने की है। यानी आगामी करीब दो महीने में 1400 नई बसें बेड़े में शामिल हो जाएंगी। नवंबर 2026 तक बसों के बेड़े को बढ़ाकर 7000 से ज्यादा तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है, जिससे राजधानी दिल्ली सस्टेनेबल मोबिलिटी में वैश्विक लीडर बन सके। इस रूट पुनर्निर्धारण में नौ मीटर वाली देवी इलेक्ट्रिक बसों की तैनाती भी की गई है।

दिल्ली को जाम से मिलेगी मुक्ति

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मुख्य सड़कों से जाम खत्म करने के लिए लोक

निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने तीन फ्लाईओवर से जुड़े बड़े प्रोजेक्टों को मंजूरी दी है। इसमें जनकपुरी, जखीरा और सीलमपुर फ्लाईओवर शामिल है। इनमें पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी पंखा रोड पर नए फ्लाईओवर की योजना के साथ ही दो अत्यंत महत्वपूर्ण फ्लाईओवर जखीरा और सीलमपुर की व्यापक मरम्मत का कार्य शामिल है। पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि दिल्ली के जिन इलाकों में ट्रैफिक दबाव बढ़ रहा है, वहां हम पहले से योजना बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली के फ्लाईओवर सिर्फ आज के लिए नहीं, बल्कि आने वाले दशकों के लिए सुरक्षित होने चाहिए। इसी कारण हम आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीकों का उपयोग कर रहे हैं।

प्रवेश वर्मा ने कहा कि सरकार का लक्ष्य राजधानी में सुरक्षित सड़कों, सुगम यातायात और मजबूत अवसंरचना को सुनिश्चित करना है।

दिल्ली में बदला मौसम का मिजाज

नई दिल्ली, एजेंसी।
राजधानी दिल्ली में मौसम का मिजाज एक बार फिर बदल गया है। मंगलवार को भी अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक दर्ज किया गया। दिन में धूप खिलने से लोगों को ठंड से राहत मिली। हालांकि मौसम विभाग का कहना है कि शुक्रवार को राजधानी में हल्की बारिश और 20 से 30 किलो मीटर प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चल सकती है। इसके लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान पांच डिग्री से ऊपर रिकॉर्ड किया गया था जबकि सोमवार को यह सामान्य से सात डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज किया गया। जबकि मंगलवार को यह सात डिग्री सेल्सियस सामान्य से अधिक था। राजधानी में हवा की दिशा बदलने से मौसम में बदलाव साफ महसूस किया जा सकता है। दिल्ली की मानक वेधशाला सफदरजंग में नौ जनवरी को न्यूनतम तापमान पांच डिग्री से नीचे चला गया था। इसके बाद से लगातार ही तापमान नीचे बना हुआ था। मंगलवार को अधिकतम तापमान 25.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया यह सामान्य से 6.1 डिग्री अधिक है। न्यूनतम तापमान 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और यह सामान्य से 0.4 डिग्री सेल्सियस अधिक है।

आज कैसा रहेगा मौसम?

बुधवार के मौसम के बारे में मौसम विभाग ने आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहने तथा छिछला कोहरा होने की संभावना जताई है। बुधवार को उत्तर और उत्तरी पश्चिमी हवा चलने की संभावना है।

दिल्ली में ग्रैप-3 की सभी पाबंदियां जारी रहेंगी

दिल्ली-एनसीआर में पहले से लागू ग्रैप-3 के प्रतिबंध जारी रहेंगे। इन चरणों में प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए निर्माण कार्यों, वाहनों, कूड़ा जलाने और औद्योगिक गतिविधियों पर सख्ती से निगरानी की जाएगी। संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे पूरी सतर्कता बरतें, ताकि वायु गुणवत्ता फिर से बेहद गंभीर स्तर तक न पहुंचे। आयोग ने नागरिकों से अपील की है कि ग्रैप के दिशानिर्देशों का पालन करें।

गणतंत्र दिवस पर अभेद्य सुरक्षा

दिल्ली अब हरित प्रयासों से कमाएगी राजस्व

नई दिल्ली, एजेंसी।
गणतंत्र दिवस समारोह की सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए इस बार एजेंसियां तकनीक का व्यापक इस्तेमाल कर रही हैं। लालकिले के पास हुए धमाके के बाद सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया गया है। एजेंसियां किसी भी चूक से बचने के लिए पूरी सतर्कता बरत रही हैं और तकनीक आधारित सुरक्षा प्रणाली पर जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में सुरक्षा कारणों से मैनुअल व्यवस्था की जगह तकनीक आधारित पांच बड़े बदलाव लागू किए गए हैं।

इस बार सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कंटेनर आधारित बुलेटप्रूफ स्टेज तैयार किया जा रहा है। इसका उद्देश्य प्रधानमंत्री सहित अन्य वीआईपी की सुरक्षा को पूरी तरह अभेद्य बनाना है। साथ ही, सुरक्षा कारणों को ध्यान में रखते हुए इस बार पैदल यात्रियों के रूट में अहम बदलाव किए गए हैं। पिछले वर्ष की तुलना में तीन से चार स्थानों पर रूट बदले गए हैं, जिन्हें पास से गुजरने वाले वाहनों से अलग और छोटा रखा गया है। पहले पैदल यात्रियों के रूट में कोई बदलाव नहीं किया जाता था और पूर्व से तय मार्गों का ही इस्तेमाल होता था। संदिग्ध गतिविधियों की निगरानी के लिए वीडियो एनालिटिक्स तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है।

नई दिल्ली जिले के एडिशनल पुलिस कमिश्नर देवेश महाला ने बताया कि गणतंत्र दिवस को लेकर खालिस्तानी आतंकी समूहों और बांग्लादेशी आउटफिट्स से जुड़े संभावित हमलों के इनपुट दिल्ली पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों को मिले हैं। इसे देखते हुए एआई तकनीक आधारित सुरक्षा उपायों को प्राथमिकता दी गई है। इस बार सुरक्षा व्यवस्था पहले से अधिक सख्त और बहुस्तरीय रखी गई है। कंटेनर आधारित बुलेटप्रूफ स्टेज तैयार इस बार कार्यक्रम स्थल पर प्रधानमंत्री और अन्य वीआईपी की सुरक्षा के लिए कंटेनर आधारित बुलेटप्रूफ स्टेज तैयार किया गया है। स्टेज को आधुनिक सुरक्षा उपकरण और प्लग-

एंड-प्ले तकनीक से लैस किया गया है। इसे कहीं भी आसानी से सकते हैं।

पहले स्टेज सुरक्षा मुख्य रूप से सुरक्षाकर्मियों और तकनीकी निगरानी पर निर्भर थी। चारों ओर सुरक्षा घेरा और निगरानी के बावजूद स्टेज बुलेटप्रूफ नहीं होता था। इस बार पहली बार स्टेज में बुलेटप्रूफ कवच जोड़ा गया है। संदिग्ध गतिविधियों की पहचान के लिए इस बार वीडियो एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। सिस्टम रियल टाइम अलर्ट देगा और डेटा को तुरंत कार्रवाई योग्य सूचना में बदलेगा। पहले सीसीटीवी फुटेज मैनुअल तरीके से निगरानी के लिए इस्तेमाल होते थे। सुरक्षा कर्मियों को स्क्रीन पर नजर रखनी पड़ती थी। रिकॉर्डिंग देखने और घटना के बाद संदिग्ध की पहचान संभव होती थी। तत्काल अलर्ट या त्वरित कार्रवाई की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। नई दिल्ली जिले में 31 कंट्रोल रूम स्थापित किए गए हैं, जिससे हर इलाके की निगरानी संभव है। सिस्टम में पहले से संदिग्धों का डेटा मौजूद है। परेड रूट के लिए छह विशेष कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। करीब 1,000 एचडी और फेस रिकॉग्निशन कैमरों से लगातार निगरानी की जा रही है। पहले जिले में केवल 14 सीसीटीवी कंट्रोल रूम थे। वीडियो एनालिटिक्स नहीं थी और संदिग्धों की पहचान मैनुअल होती थी। परेड मार्ग के लिए तीन विशेष कंट्रोल रूम बनाए जाते थे। फेस रिकॉग्निशन तकनीक कुछ चुनिंदा स्थानों पर ही उपलब्ध थी। सुरक्षा कारणों से पैदल यात्रियों के रूट में तीन-चार बदलाव किए गए हैं।

मार्ग को वाहनों से अलग और छोटा रखा गया है। चैनलाइजर, दिशा-सूचक बोर्ड और फ्रिस्किंग प्वाइंट लगाए गए हैं।

चिंताजनक: माइक्रोप्लास्टिक से महासागर खो रहे कार्बन सोखने की ताकत, धरती की प्राकृतिक सुरक्षा हो रही कमजोर

लंदन, एजेंसी।
अध्ययन में सामने आया है कि माइक्रो प्लास्टिक फाइटोप्लैंकटन की प्रकाश-संश्लेषण क्षमता को घटा देते हैं और जूप्लैंकटन के चयापचय को भी नुकसान पहुंचाते हैं। इसका सीधा नतीजा यह होता है कि जैविक कार्बन पंप कमजोर पड़ता है और महासागरों की कार्बन सोखने की क्षमता घटने लगती है।

धरती को जलवायु संकट से बचाने वाली सबसे बड़ी प्राकृतिक ढाल महासागर अब खुद खतरे में हैं। एक नए अध्ययन ने चेताया है कि माइक्रोप्लास्टिक महासागरों की कार्बन सोखने की क्षमता को कमजोर कर रहे हैं। इससे न केवल ग्लोबल वॉर्मिंग तेज हो सकती है, बल्कि समुद्री पारिस्थितिकी, मछली उत्पादन और करोड़ों लोगों की आजीविका पर भी असर पड़ने की आशंका है।

महासागर पृथ्वी के सबसे बड़े कार्बन सिंक माने जाते हैं। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इंसानी गतिविधियों से उत्सर्जित कुल कार्बन डाइऑक्साइड का करीब 30 फीसदी हिस्सा महासागर अब तक अपने भीतर समेट चुके हैं। इसके साथ ही महासागर ऑक्सीजन का भी सबसे बड़ा स्रोत हैं, जो पृथ्वी के तापमान संतुलन और जीवन के लिए अनिवार्य है। यही वजह है कि इन्हें जलवायु

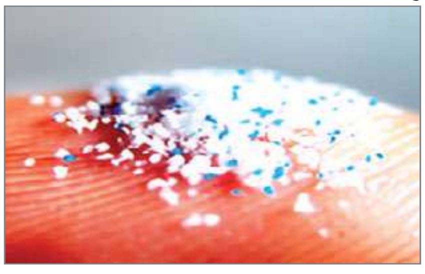

परिवर्तन के खिलाफ धरती की सबसे बड़ी प्राकृतिक सुरक्षा ढाल माना जाता है। यह अध्ययन यूनिवर्सिटी ऑफ शारजाह, द एजुकेशन यूनिवर्सिटी ऑफ हांगकांग, बीजिंग नार्मल यूनिवर्सिटी और पेशावर विश्वविद्यालय से जुड़े शोधकर्ताओं ने किया है। इसके नतीजे जर्नल ऑफ हैजर्डस मैटेरियल्स = प्लास्टिक्स में प्रकाशित हुए हैं।

अध्ययन से जुड़े शोधकर्ता डॉ. इहसानुल्लाह ओबैदुल्लाह के मुताबिक महासागरों में कार्बन जमा होने की एक अहम प्रक्रिया जैविक कार्बन पंप कहलाती है। समुद्र की सतह पर मौजूद फाइटोप्लैंकटन सूर्य के प्रकाश से भोजन बनाते हैं और इस प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड को सोख लेते हैं। बाद में जब ये सूक्ष्म पौधे मरते हैं या जूप्लैंकटन व अन्य समुद्री जीव इन्हें खाते हैं, तो इनमें जमा कार्बन उनके शरीर, मल या अवशेषों के साथ समुद्र की गहराइयों में चला जाता है, जहां यह सैकड़ों से हजारों साल तक कैद रह सकता है।

अध्ययन में सामने आया है कि माइक्रो प्लास्टिक फाइटोप्लैंकटन की प्रकाश-संश्लेषण क्षमता को घटा देते हैं और जूप्लैंकटन के चयापचय को भी नुकसान पहुंचाते हैं। इसका सीधा नतीजा यह होता है कि जैविक कार्बन पंप कमजोर पड़ता है और महासागरों की कार्बन सोखने की क्षमता घटने लगती है। माइक्रोप्लास्टिक समुद्र की गहराइयों से लेकर आर्कटिक की बर्फ, मिट्टी, हवा, पानी, बादल, ग्लेशियर और मानव शरीर तक में पाए जा रहे हैं। चिंता की बात यह है कि माइक्रोप्लास्टिक अपने साथ जहरीले रसायन भी ढोते हैं, जो इंसानों और अन्य जीवों में पहुंचकर स्वास्थ्य जोखिम बढ़ाते हैं।

शिंजो आबे को गोली मारने वाले अपराधी को आजीवन कारावास

टोक्यो, एजेंसी। जापान की अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की गोली मारकर हत्या करने वाले शख्स को उम्रकैद की सजा सुनाई है। शिंजो आबे की हत्या करने की बात इस शख्स ने कबूल की थी। इस मामले ने जापान की सत्तारूढ़ पार्टी और एक विवादास्पद दक्षिण कोरियाई चर्च के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ संबंधों को उजागर किया है। जापान के सबसे प्रभावशाली राजनेताओं में शामिल शिंजो आबे प्रधानमंत्री पद छोड़ने के बाद एक नियमित सांसद के रूप में कार्यरत थे। इसी दौरान 2022 में पश्चिमी शहर नारा में चुनाव प्रचार के दौरान उनकी हत्या कर दी गई। इस घटना ने सख्त बंदूक नियंत्रण वाले देश को स्तब्ध कर दिया। 45 वर्षीय तेत्सुया यामागामी ने अक्टूबर में शुरू हुए मुकदमे में हत्या का अपराध स्वीकार कर लिया था। अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए आजीवन कारावास की सजा का एलान किया। शूटर ने कहा कि वह एक विवादास्पद चर्च के प्रति नफरत से प्रेरित था। यामागामी ने कहा कि उसने आबे की हत्या तब की जब उसने पूर्व नेता की ओर से यूनिफिकेशन चर्च से जुड़े एक समूह को भेजा गया एक वीडियो संदेश देखा। उसने आगे कहा कि उसका उद्देश्य उस चर्च को नुकसान पहुंचाना था, जिससे वह नफरत करता था और आबे के साथ उसके संबंधों को उजागर करना था। अभियोजकों ने यामागामी के लिए आजीवन कारावास की मांग की थी। वहीं, उनके वकीलों ने चर्च के अनुयायी के बच्चे के रूप में उनकी परेशानियों का हवाला देते हुए 20 साल से अधिक की सजा न देने की मांग की थी।